

## राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(श्रमाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 12 दिसम्बर, 2000/21 भग्रहायण, 1922

## हिमाचल प्रदेश सरकार

बहुदेशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग

## ग्रधिसूचनाएं

यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी० सी०) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अधिन क्याय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त \*प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

- 2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।
- 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।
- 4. अत्याधिक ग्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त ग्रधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के ग्रधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त ग्रधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे ।

5. भूमि के सम्बन्धित रेखांक का निरीक्षण कार्यालय भू-ग्रर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत

परिषद्, मण्ड	ती में किया जा सकता है	1					
*मुहाल कीड़िया, तहसील करसीग, जिला मण्डी में कोल बांध परियोजना के निर्माण हेतु।			1	2		3	
संख्या विद्यत-	-ভ-( 5) 68/2 <b>0</b> 00.			2412/1	2	19	01
	, ,	दिसम्बर, 2000.		3010/1			14
	14(4(1))	14414, 2000.		3074/1			06
	विवरणी			3125/6	5	12	16
तहसील: करस		जिला : मण्डी		3149/3006/1	8	18	11
———— मुहाल	 खसरा नं 0	रकबाबीघों में	किता	23	34	12	18
1	2	3	+			. 2.	
			्रमुहाल तलहण, जंकर एक्सिकेट्स	तहसील करसोग, जिल	। मण्डा	<b>H</b> 1	काल
कोड़िया	553/531/511	0 02 00		के निर्माण हेतु।			
124	554/531/511	3 10 00	संख्या विद्युत-छ-(				
				े शिमला, 7 वि	दसम्बर,	20	00.
किता	2	3 12 00					
			तलैहण	1345	0		07
	रा, तहसील करसोग,			1346			17
कोल बांध पी	रियोजना के निर्माण हेतु	[ I		1347		04	
संख्या विद्युत-।	छ-( 5) 66/2000.			1348		03	
•		सम्बर, 2000.		1349		01	
				1350		03	
साकरा	2398	1 13 13		1351		19	
	2399	0 08 06		1352		06 03	
	2400	0 06 18		1353			03
	2401	0 07 09		1354			
	2402	0 12 11		1355			02
	2417	0 10 12		1356		13	
	2418	0 02 05		1358/1	1 .	12	06
	2419	1 17 15	E	10			10
	2420	0 09 10	कित्ता	13	8	13	18
	2421	0 18 10			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
	2422	0 05 14		तहसील: सुन्दरनगर			
	2423	0 02 14	*	- A		. <u>~</u> .	
	2424	0 09 16		हसील सुन्दरनगर, जिल	। मण्डा	H	काल
	2425	0 14 14	बान्ध परियोजना	· <del>-</del>			
	2426	2 09 02	संख्या विद्युत-छ-(			1	
	2427	0 09 00		शिमला, 7 वि	सम्बर,	20	00.
	2435	0 06 16	रोपा	117	1	04	13
	2436	1 03 08		118		00	

1						<del></del>		_
	2	3	1		2		3	
	119	1_07 1			179	2	05	16
	120	0 04 1	9		180		03	
1	121	0 06 0	8		184	0	02	12
, - 0	122	0 18 0	8		185	0	02	18
	123	1 05 1			186	3	04	16
	124	0 01 0	0		187	0	06	00
	125	0 01 0			188	0	10	18
	127	1 02 1			189		03	
	128	2 19 1		۲.	190	1	02	03
	129	0 05 1			191	1	04	08
	131	0 09 1			192	1	98	12
	133	3 06 0			193		17	
	170	2 05 1			194	4	14	1
	177	1 08 0		•				-
	178	1 04 1	3	किता	30	35	19	1
3. 9	हिंचियम, 1894 की विक्ति धारा द्वारा प्र में कार्यरत सभी ग्र	दत्त शक्तियों का धिकारियों, उनके	प्रयोग व कर्मचा	हरते हुए रियों श्र	राज्यपाल,	हिमाचल प्रदेश इ	स स	1म
मि में प्रवे करने के 4. को धिस्चना के	श करन तथा सवक्ष लिए सर्र्ष प्राधिका ई भी ऐसा हित्तबद्ध व्य प्रकाशित होने के ती बोर्ड, मण्डी, हिमाचल	र देते हैं। क्तिजिसे उक्त परिक्ष इस (30)दिनों की	तेन में कि श्रवधि व	थेत.भूमि व के भीतर	पेक्षित अथवा के ग्रर्जन करने <sup>ए</sup> लिखित रूप	त्रनुमत सभी क्र रिकोई क्रापत्तिहो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता	किसी ह्यंव गेवह	भी नाय : इस
मि में प्रवे ो करने के 4. को धिसूचना के ज्यि विद्युत	ं लिए सर्ड्ष प्राधिका ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ती	र देते हैं। क्तिजिसे उक्त परिक्ष म (30)दिनों की प्रदेश के समक्ष अ	तेन में कि श्रवधि व प्रपनी श्राप	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित ग्रथवा केग्रर्जनकरने प लिखित रूपः रकर सकता	त्रनुमत सभी क्र रिकोई क्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है।	किसी ह्यंव गेवह	र्भ गय इस
मि में प्रवे ो करने के 4. को सिसूचना के ज्य विद्युत *मुहाल	लिए सर्षं प्राधिका ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल म स्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्तिजिसे उक्त परिक्ष म (30)दिनों की प्रदेश के समक्ष अ	तेत्र में की श्रवधि व प्रपनी श्राप प्रापनी श्रोप प्रापनी कोल	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित ग्रथवा केग्रर्जनकरने प लिखित रूपः रकर सकता	त्रनुमत सभी क्र रिकोई क्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है।	किसी ह्यंव गेवह	भी नाय : इस
मि में प्रवे करने के 4. को धिसूचना के ज्य विद्युत *मुहाल ख्या विद्युत-	लिए सर्ष प्राधिक। ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल प्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिदे मि (30) दिनों की प्रदेश के समक्ष उ रनगर जिला मण्डी 7 दिसम्बर, 2000	तेत्र में की श्रवधि व प्रपनी श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित अथवा के ग्रर्जन करने प लिखिन रूप र कर सकता प्योजना के नि	त्रनुमत सभी क्र रिकोई क्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है।	किसी ह्या व तो बह , हि0	र्भ गय इस
मि में प्रवे ो करने के 4. को धिसूचना के उय विद्युत *मुहारू ख्या विद्युत-	लिए सर्ष प्राधिक। ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल प्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिक्षे इस (30) दिनों की प्रदेश के समक्ष अ रनगर जिला मण्डी	तेत्र में की श्रवधि व प्रपनी श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित अथवा के भ्रजीन करने प लिखिन रूप र कर सकता प्योजना के नि	त्रनुमत सभी ग्रा रिकोई ग्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है। पर्माण हेतू:	किसी ह्य व तो वह , हिं0	भी हाय इस प्र
मि में प्रवे ो करने के 4. को धिसूचना के उय विद्युत *मुहाल ख्या विद्युत-	लिए सर्ष प्राधिक। ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल प्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिक्षेति जिसे उक्त परिक्षेति की समक्ष के समक्ष के समक्ष किया प्रविद्या के समक्ष किया प्रविद्या के समक्ष किया प्रविद्या किया किया किया किया किया किया किया कि	तेत्र में की श्रवधि व प्रपनी श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित अथवा के ग्रर्जन करने प लिखिन रूप र कर सकता प्योजना के नि	त्रनुमत सभी क्र रिकोई क्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है।	किसी हर व तो वह , हिं0 3	र्भ हाय इस प्र
मि में प्रवे ो करने के 4. को धिसूचना के ज्य विद्युत *मुहाल ख्या विद्युत- ला: मण्डी	लिए सर्ष प्राधिक। ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल प्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिदे म (30) दिनों की प्रदेश के समक्ष ह रनगर जिला मण्डी तहसील: सुन्दरनग रकवा	तेत्र में कि श्रविध व प्रपनी श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित अथवा के भ्रजीन करने प लिखिन रूप र कर सकता प्योजना के नि	त्रनुमत सभी ग्रा रिकोई ग्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है। पर्माण हेतू:	किसी ह्य व तो वह , हिं0	भी काय इस प्र
मि में प्रवे करने के 4. को धिसूचना के ज्य विद्युत *मृहाल ख्या विद्युत- ला: मण्डी	लिए सर्षं प्राधिक। ई भी ऐसा हित्तबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल म ग्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला, विवरणी	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिक्ष्माम (30) दिनों की प्रदेश के समक्ष ह रनगर जिला मण्डी र दिसम्बर, 2000 तहसील: सुन्दरनग रकवा (बीघों में	तेत्र में कि श्रविध व प्रपनी श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित ग्रथवा  केग्रर्जन करने पिलिखन रूपः  र कर सकता  स्योजना केनि	त्रनुमत सभी ग्रा र कोई ग्रापित हो त में भू-ग्रजंन समाहर्ता है। मिण हेतू:	किसी हर व तो वह , हिं0 3	भी हाय इस प्र प्र 08
मि में प्रवे करने के 4. को धिसूचना के ज्य विद्युत *मुहाल ख्या विद्युत- ज्या विद्युत-	लिए सर्ष प्राधिक। ई भी ऐसा हितबद्ध व्य प्रकाशित होने के ते बोर्ड, मण्डी, हिमाचल प्राहन, तहसील सुन्द छ-(5) 72/2000. शिमला,	र देते हैं। क्ति जिसे उक्त परिदे म (30) दिनों की प्रदेश के समक्ष ह रनगर जिला मण्डी तहसील: सुन्दरनग रकवा	तेत्र में कि श्रविध व प्रमि श्राप , ने कोल ————————————————————————————————————	थत <sub>.</sub> भूमि व के भीतर गत्ति दाय	पेक्षित अथवा  के भ्रजीन करने प लिखिन रूपः र कर सकता  स्पोजना के नि  2  6 7	त्रनुमत सभी ग्रा र कोई ग्रापित हो त में भू-ग्रर्जन समाहर्ता है। पर्माण हेतू:	किसी हरा व गो वह हि0 3 05 04	भी हाय इस प्र प्र 08

ग्रसाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, 12 दिसम्बर, 2000/21 श्रग्रहायण, 1922

4590	असावारण राजान	, हिराबर नवर, 12		
1	2	3	1 2	3
	12	2 12 18	56	2 06 15
	13	0 07 06	57	$0\ 02\ 1^2$
	14	0 10 08	58	$0 \ 03 \ 0^{\circ}$
	15	2 05 03	59	$3\ 05\ 0^{0}$
	16	0 06 10	60	$0\ 04\ 19$
	17	4 01 05	61	$0 \ 03 \ 1^9$
	18	0 07 17	62	0 05 18
	19	0 10 04	63	0 05 05
	20	5 06 05	64	0 05 13
	22	1 03 06	65	1 13 06
	23	1 07 19	66	0 02 00
	24	0 04 05	67	0 02 15
	25	0 14 02	6 <b>8</b>	0 05 11
	26	0 06 02	69	0 14 18
	27	0 01 16	70	1 14 01
	28	0 08 02	71	1 03 07
	29	0 02 02	72	2 11 09
	30	0 11 12	73	5 11 01
	31	0 03 07	74	1 11 19
	32	2 16 01	75	0 07 05
	33	2 06 16	76	2 08 17
	34	0 09 00	77	0 11 00
	35	2 16 07	79	0 01 15
	36	1 00 18	80	0 03 05
	37	2 13 19	81	0 02 17
	38	3 18 09	82	0 10 06
	39	0 05 04	83	0 01 12
	40	0 04 16	84	0 01 00
	41	0 04 13	85	2 11 09
	42	2 15 07	86	0 06 08
	43	1 05 08	87	0 08 13
	44	1 07 00	88	0 15 10
	45	0 08 02	89	0 09 05
	46	0 12 12	90	1 15 16
	47	0 03 18	91	0 02 16
	48	0 13 19	92	0 00 08
	49	1 05 14	93	0 00 18
	50	0 03 06	94	0 01 15
	5 1	0 03 05	95	0 04 05 0 02 15
	5 2	0 06 11	96	
	53	0 06 14	97	0 08 06
	54	1 18 09	98	0 02 08
	55	0 09 14	99	0 03 12

1	^				
	2	3	1	2	3
	100	0 18 16		273	0 00 10
	101	0 12 07	(-)	274	0 09 18
	102	0 04 17		277	0 02 11
`	103	0 01 15			2 08 16
7	104	0 11 04		275/1	0 03 00
	105	0 01 10		275/2	0 03 00
	106	0 06 18		275/3	0 03 00
	107	0 05 08		275/4	0 03 00
	108	0 06 11		275/5	0 03 00
	109	0 03 02		275/6	0 03 00
	120	0 19 06		276/1	0 03 00
	121	1 08 02		276/2	0 03 00
	122	2 17 17		276/3	0 03 00
	123	0 10 10		276/4	0 04 00
	124	0 10 02		276/5	1 16 11
	125	0 10 01		281/5	0 14 19
	174			282/5	1 02 15
	176	1 10 05		283/8	0 01 00
	177	0 01 06		284/8	7 07 03
	178	1 06 16		285/78	0 01 19
	179	1 11 17		286/78	1 03 01
		0 05 12		288/175	0 03 19
· 1	180	0 02 02		289/175	
<b>\</b> *-	181	0 07 01		290/21	•
	182	0 11 01		291/21	0 02 10
	183	0 05 11		275/7	0 02 08
	187	3 03 18		413/1	1 10 16
	188	2 06 15			
	272	0 04_14	ृकिता	146	144 14 16

श्रादेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-सचिव ।